

रीख
हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

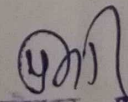
नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुकम की तामील में
जारी हुए

10/6/22

पत्रावली पेश हुई।
आज हम दीगर आवश्यक कार्यों
में व्यस्त हैं। अतः इत्तवा होकर
पत्रावली आइन्दा 26/7/22 को पेश हो।

26/07/22

पत्रावली काठ पेश हुई। कमील कारीगरो
कडुपस्थित। कारीगरो कडुपस्थित। कारीगरो
व कारीगरो के कडुपस्थित को कोठे
समय के लीन वार लीन-लीन कडुपस्थित
डिलीट गरी वाक्य कडुपस्थित डिलीट
के कारीगरो व कारीगरो के कडुपस्थित
कडुपस्थित का उक्त उक्त उक्त
उक्त के एक नजामत डिलीट का
कडुपस्थित विवेकान्त डिलीट- 18/6/21
डिलीट की कारु उक्त उक्त
उक्त कारीगरो व कारीगरो की
कडुपस्थित व कडुपस्थित के कडुपस्थित
डिलीट कात डिलीट विवेक डिलीट
डिलीट डिलीट डिलीट डिलीट


सहायक कलेक्टर, गुडामालानी



श्रीमान उपखण्ड अधिकारी महोदय,
गुडामालानी जिला बाडमेर

प्रार्थीगण :-

1. सोनाराम पुत्र डूंगराराम उम्र 35 वर्ष
2. पूरोंदेवी पत्नि डूंगराराम उम्र 62 वर्ष
जाति जाट निवासी मालपुरा
तहसील गुडामालानी जिला बाडमेर

बनाम

विप्रार्थीगण :-

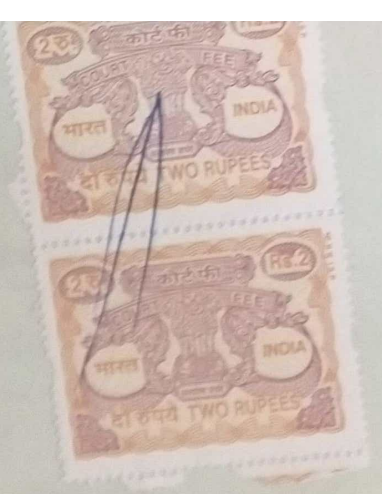
1. दौलाराम पुत्र डूंगराराम उम्र 40 वर्ष
2. केसाराम पुत्र हेमाराम उम्र 60 वर्ष
3. उदाराम पुत्र हेमाराम 58 वर्ष
4. कालूराम पुत्र तुलसाराम उम्र 73 वर्ष
5. चैनाराम पुत्र गोर्धनराम उम्र 32 वर्ष
6. लिखमाराम पुत्र गोर्धनराम उम्र 25 वर्ष
7. मीरोंदेवी पत्नि गोर्धनराम उम्र 50 वर्ष
8. सकूदेवी पत्नि रूपाराम उम्र 50 वर्ष
जाति जाट निवासी मालपुरा तहसील गुडामालानी
जिला बाडमेर
9. श्रीमान तहसीलदार, गुडामालानी जिला बाडमेर

राजस्व आवेदन अन्तर्गत धारा 212 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम

महोदयजी,

प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र निम्न प्रकार से प्रस्तुत है कि :-

1. कि प्रार्थीगण ने एक राजस्व वाद अन्तर्गत धारा 88, 53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम का श्रीमान के समक्ष पेश किया है जिसमें वर्णित तथ्यों के आधार पर प्रार्थीगण को सफलता मिलने की पूर्ण सम्भावना है।



*Cont
Report to head
checked by Mr. palakar
on 19/10/14
[Signature]*

2. कि प्रार्थीगण एवं विप्रार्थी संख्या 1 से 7 के संयुक्त खातेदारी के पैतृक खेत मौजा मालपुरा पटवार क्षेत्र मालपुरा तहसील गुडामालानी जिला बाडमेर में खसरा नम्बर 274 रकबा 06 बिस्वा, खसरा नम्बर 275 रकबा 96.16 बीघा व खसरा नम्बर 351 रकबा 110.15 बीघा के आये हुऐ है। वर्तमान जमाबंदी की प्रमाणित प्रति संलग्न पेश है।
3. कि विवादित भूमि प्रार्थीगण एवं विप्रार्थी संख्या 1 से 7 को पैतृक रूप से प्राप्त हुई थी, जिस पर वक्त सेन्टलमेंट प्रार्थीगण एवं विप्रार्थी संख्या 1 से 7 के पूर्वजों का कब्जा काशत था तथा उनके नाम से पर्चा लगान जारी हुआ था तथा उनके फौत होने पर प्रार्थीगण व विप्रार्थी संख्या 1 से 7 के नाम राजस्व रेकर्ड में अमल दरामद हुआ। तब से प्रार्थी एवं विप्रार्थी संख्या 1 से 7 का संयुक्त रूप से कब्जा काशत है।
- 4- कि विवादित भूमि में प्रार्थीगण का 1/6 हिस्सा तथा शेष हिस्सा विप्रार्थी संख्या 1 से 8 के खातेदारी अधिकारों के है व इसी हिस्सों के माफिक प्रार्थीगण एवं विप्रार्थीगण संख्या 1 से 8 विवादित भूमि पर काबिज है तथा अपनी रहवासी ढाणिया, चारबाडे, पशुबाडे व टांके बने हुऐ है।
- 5- कि विवादित भूमि प्रार्थीगण एवं प्रतिप्रार्थीगण संख्या 1 से 8 के नाम संयुक्त रूप से दर्ज है तथा वर्तमान में राजस्व रिकार्ड में प्रार्थी एवं विप्रार्थी संख्या 1 से 8 के बीच में हिस्से पूर्ण रूप से खुल्ले हुए नहीं होने के कारण खेत के हिस्से को लेकर विवाद रहता है तथा मौके पर भूमि का मौखिक रूप से बंटवाड़ा होने से प्रार्थीगण एवं विप्रार्थीगण के मध्य भूमि के सेढों को लेकर झगडा रहता है एवं विप्रार्थीगण संख्या 1 से 8 प्रार्थीगण के हिस्से की भूमि एवं उसके कब्जे काशत में लगातार दंखल अन्दाजी कर रहे है व पुराने मौखिक बंटवाडे अनसार कायम सेदो को तोड़ रहे है तथा सामलाती भूमि